

प्रथम वंदना गणपति आपकी भजन लिरिक्स



ना नेम संयम ना विधि जाप की,
प्रथम वंदना गणपति आपकी,
प्रथम वन्दना गणपति आपकी **lbd**।

हाथों में तुम नाथ मोदक लिए,
दर पे तेरे जलते घी के दिये,
हमें चाहिए बस कृपा आपकी,
प्रथम वन्दना गणपति आपकी **lbd**।

चूहे पे कितने सुघर लग रहे,
दामन गरीबों के तुम भर रहे,
दुआ चाहिए बस प्रभु आपकी,
प्रथम वन्दना गणपति आपकी **lbd**।

माथे पे चंदन लगाए हुये,
लम्बी सूँड़ अपनी बढ़ाये हुए,
राजेन्द्र पर हो नज़र आपकी,
प्रथम वन्दना गणपति आपकी **lbd**।

ना नेम संयम ना विधि जाप की,
प्रथम वंदना गणपति आपकी,
प्रथम वन्दना गणपति आपकी **lbd**।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी ।
